हरियाणा से लाकर जंगल से करता था हथियार सप्लाई, पुलिस ने एक बदमाश को पकड़ा

गुप्त सूचना पर एसएचओ के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दुर्गम पहाड़ी जंगल में दबिश दी

अलवर। अलवर के मालाखेड़ा थाना पुलिस को नांगल टोडियार के पहाड़ों से हथियारों का जखीरा मिला है। टोडियार बीट सिपाही राजेश यादव को मिली गुप्त सूचना पर एसएचओ हरदयाल सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने खतरनाक और दुर्गम पहाड़ी जंगल में दबिश दी। इस दौरान पुलिस ने एक कुख्यात बदमाश को अवैध हथियारों के बड़े जखीरे के साथ गिरफ्तार किया।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से तीन 12 बोर की बंदूकें, तीन 315 बोर के कट्टे, 68 जिंदा कारतूस, 52 खाली कारतूस, 12 पैकेट छर्रे तथा हथियार सेट करने व कारतूस फिट करने का सामान बरामद किया है। यह पूरा जखीरा गहरे जंगल में छिपाकर रखा गया था।

पुलिस ने एक कुख्यात बदमाश को अवैध हथियारों के बड़े जखीरे के साथ गिरफ्तार किया।

जिस स्थान से हथियार बरामद किए गए वह बेहद खतरनाक पहाड़ी इलाका है, जहां तक पहुंचना ही पुलिस के लिए चुनौती था। इसके बावजूद मालाखेड़ा पुलिस टीम ने बहादुरी दिखाते हुए क्षेत्र में दबिश दी और बदमाश को मौके से पकड़ लिया।

पुलिस एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि कुछ दिन पहले मालाखेड़ा थाना क्षेत्र में एक फायरिंग की घटना हुई थी, जिसमें पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट किया था, जिसके बाद उससे हथियार भी बरामद किया था। लेकिन जो हथियार वीडियो में दिख रहा था वह हथियार वो नहीं था जिसे आरोपी से बरामद किया था।

पुलिस लगातार अवैध हथियारों पर नजर रखे थी। मालाखेड़ा पुलिस की टीम ने यह हथियार बरामद किए हैं। इसमें हथियार तस्कर जाहिद खान निवासी फिरोजपुर झिरका को गिरफ्तार किया है, जो अलवर क्षेत्र के गांवों में खेतों की रखवाली की आड़ में हथियार तस्करी का काम करता है। गैंग में शामिल अन्य बदमाशों की तलाश की जा रही है।

■ **हथियार तस्कर जाहिद खान निवासी फिरोजपुर झिरका को गिरफ्तार किया है, जो अलवर क्षेत्र के गांवों में खेतों की रखवाली करता था**

एसपी ने बताया कि आरोपी जाहिद के पास मिले सामान से ऐसा लगता है कि वह खुद हथियार तैयार करता है, जिसमें उसके साथ उसके और भी साथी शामिल है जिनकी तलाश जारी है।

370 बीघा वन भूमि घोटाले में दोषी कर्मियों पर केस होगा

बीकानेर। छत्तरगढ़ उपखंड में 6112 बीघा (1546 हेक्टेयर) जमीन के फर्जी आवंटन के मामले में नया मोड़ आया है। वन विभाग ने भी अपनी जमीन को लेकर मुकदमा दर्ज करने की तैयारी कर ली है। इस संबंध में जिला कलेक्टर सहित उपखंड अधिकारियों ने फर्जीवाड़े के दौरान छत्तरगढ़ में पदस्थापित रहे अधिकारियों और कर्मचारियों का ब्यौरा मांगा है।

मामला छत्तरगढ़ के चक 1 आरएसएम में 90 बीघा और चक 2 डीएलएम में 270 बीघा वन भूमि के फर्जी तरीके से आवंटन का है। वन खंड चक 1 आरएसएम में 90 बीघा जमीन सीधे ही पांडूसर के पांच लोगों के नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज कर दी गई थी, जबकि वन खंड 2 डीएलएम में 270 बीघा जमीन को अराजीराज घोषित कर आठ लोगों के नाम म्यूटेशन कराने की तैयारी की जा रही थी। इसी दौरान जमीन घोटाला उजागर होने के कारण कार्रवाई आगे नहीं बढ़ सकी। जिला कलेक्टर ने प्रकरण की जांच में प्रथम दृष्टया तत्कालीन तहसीलदार को इसके लिए दोषी माना था। संभागीय मुख्य वन संरक्षक हनुमानाराम ने जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर इस प्रकरण में जिम्मेदार उपखंड अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, गिरदावर, ऑफिस कानूनगो, पटवारी व अन्य कर्मचारियों की सूचना भेजने का आग्रह किया है। इनके विरुद्ध सक्षम न्यायालय में वन संरक्षण अधिनियम की धारा 02, 3ए व 3बी के तहत मुकदमा दर्ज किया जाएगा। छत्तरगढ़-पूगल जमीन घोटाले को लेकर एसीबी की जांच निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। राजस्व विभाग से ज्यादातर रिकॉर्ड मिल चुका है। दोनों प्रकरणों में चालान पेश करने की तैयारी की जा रही है। एसीबी में जमीन घोटाले को लेकर दो आरएएस अधिकारियों, 34 से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों के अलावा 80 से ज्यादा लाभार्थियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के दो मुकदमे इसी साल मार्च में दर्ज हुए थे। गौरतलब है कि छत्तरगढ़ उपखंड में 6112 बीघा और पूगल में लगभग 2010 बीघा जमीन में हेराफेरी पाई गई थी, जिससे सरकार को करोड़ों रुपये का राजस्व नुकसान हुआ था। चक 1 आरएसएम में कुल 1600 बीघा में से करीब 90 बीघा जमीन का दोहरा आवंटन हुआ था। यह जमीन 1977 में वन विभाग को दी गई थी। महाजन फील्ड फायरिंग रेंज विकसित होने पर 34 गांव सेना को सौंप दिए गए। वहां से विस्थापित हुए सीताराम पुत्र बोदूलाल (खसरा नंबर 152/30), गंगूराम पुत्र नागरमल (खसरा नंबर 152/38), खुमा पुत्र रुघा लौहार (खसरा नंबर 152/39), खुमा पुत्र रुघा लौहार (खसरा नंबर 152/46) को 1987 में आवंटन कर दिया गया, जबकि विस्थापितों को अराजीराज जमीन दी जानी चाहिए थी। म्यूटेशन दर्ज होने के बाद 1992 में इन लोगों ने अपनी फाइलें लूणकरणसर तहसील के पांडूसर निवासी जगदीश, शांति, गोमती, विद्यादेवी और शांति पत्नी बीरबलराम को बेच दीं। पावर ऑफ अटॉर्नी के जरिए बयनामे तैयार किए गए और नामांतरण खुलवाया गया, लेकिन 29 दिन के भीतर ही इंतकाल खारिज हो गया। 2023 में राहत शिविर में एक प्रशासनिक आदेश के जरिए पांचों के नाम जमीन का नामांतरण दर्ज कर दिया गया था। इसी प्रकार वन विभाग को चारागाह विकास के लिए 1977 में 1200 बीघा जमीन चक 2 डीएलएम में आवंटित की गई थी। जांच से पता चला कि तत्कालीन तहसीलदार ने आठ अलग-अलग आदेश जारी कर इस जमीन में से 270 बीघा को सीधे ही अराजीराज दर्ज कर सरकारी घोषित कर दिया। एक काश्तकार के नाम म्यूटेशन भी खोल दिया गया, लेकिन तब तक तहसीलदार बदल गया। नए तहसीलदार के सामने मामला आया तो उन्होंने म्यूटेशन खारिज कर दिया। छानबीन हुई तो गड़बड़ी सामने आ गई।

फैक्ट्री में एमडी ड्रग्स बनाने का पर्दाफाश, 6 पकड़े

कार्रवाई कर 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया

जोधपुर (कासं)। शेरगढ़ थाना इलाके में जोधपुर ठामीण पुलिस और गुजरात एटीएस ने मादक पदार्थ तस्करी को लेकर बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने शेरगढ़ के सोइंतरा गांव में फैक्ट्री पर एमडी ड्रग्स बनाते हुए आरोपियों को पकड़ा है। पुलिस ने मौके से केमिकल से भरे कई जार जब्त किए।

प्रारंभिक पूछताछ में यह सामने आया है कि आरोपी देर रात फैक्ट्री पर आकर नशे का केमिकल तैयार करते थे और सुबह से पहले वहां से निकल जाते थे।गुजरात एटीएस ने रविवार अलसुबह यह कार्रवाई कर 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गुजरात एटीएस की टीम रविवार अलसुबह वांटेड आरोपी मोनू ओझा की तलाश में बालोतरा के सिरमखिया गांव पहुंची थी। यहां डूंगरसिंह के मकान में छिपे मोनू और गोविंद सिंह सहित 5-6 बदमाशों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में दोनों बदमाशों ने शेरगढ़ क्षेत्र के सोइंतरा गांव में फैक्ट्री में ड्रग्स बनाने की जानकारी दी। इसके बाद गुजरात एटीएस और शेरगढ़ थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से सोइंतरा गांव के एक फैक्ट्री पर छापा मारा। यहां से एमडी ड्रग्स बनाते हुए फैक्ट्री में ड्रग्स में उपयोग होने वाले रासायनिक पदार्थों से भरे लगभग 5-6 जार मिले। सूचना पर एसपी ठामीण नारायण टोगस भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कहा कि मास्टरमाइंड गोविंद सिंह और उसके साथी रात में मोटरसाइकिल से ट्यूबवेल पर आकर रासायनिक प्रक्रिया पूरी करते और फिर लौट जाते थे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक मामले में 6 आरोपियों को पकड़ा गया है। पुलिस ने डूंगरसिंह (50) निवासी सिमरखिया, अलीमुद्दीन (58) निवासी प्रतापगढ़, गोविंद सिंह (40) निवासी सोईतरा शेरगढ़, मोनू ओझा (36) निवासी अहमदाबाद, रणविजय सिंह (50) निवासी प्रतापगढ़, अजीज खान (48) निवासी प्रतापगढ़ को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार पिछले दिनों गुजरात पुलिस ने गुजरात के वापी में एक जगह छापा मारकर कार्रवाई की थी। इसके बाद मोनू नाम के केमिस्ट को पकड़ा था। मोनू की कॉल डिटेल में शेरगढ़ की भी लोकेशन आई थी। उसके बाद जांच करते हुए गुजरात पुलिस और जोधपुर पुलिस मौके पर पहुंची।

■ **प्रारंभिक पूछताछ में यह सामने आया है कि आरोपी देर रात फैक्ट्री पर आकर नशे का केमिकल तैयार करते थे और सुबह से पहले वहां से निकल जाते थे।गुजरात एटीएस ने रविवार अलसुबह कार्रवाई की**

युवक की संदिग्ध मौत

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम थाना इलाके में ट्रैक्टर-ट्रॉली से बजरी खाली करते समय युवक अचेत हो गया, जिसे उपचार के लिये अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार बालिता निवासी बाबूलाल केवट (38) लहसुनमंडी में व्यापारी के पास दिन में काम करता है।

और रात में मजदूरी करता था, आरकेपुरम क्षेत्र में ट्रैक्टर-ट्रॉली से बजरी खाली करते समय अचानक से बेहोश हो गया। जिसे उपचार के लिये अस्पताल में लाया गया।

जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही हैं।

पाचवीं की वार्षिक परीक्षा मार्च में

ऑनलाइन आवेदन दिसंबर के अंतिम सप्ताह तक संभव

बीकानेर। एजुकेशन रिपोर्टर। बीकानेर पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षाएं राजस्थान बीकानेर ने 8वीं और 5वीं की वार्षिक परीक्षा की तैयारियां शुरू कर दी है। 5वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा इस बार अप्रैल की जगह मार्च में होगी। वहीं आङ्गवीं बोर्ड परीक्षा 10वीं के साथ 12 फरवरी से 12 मार्च के बीच आयोजित की जाएगी। पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षाएं राजस्थान बीकानेर की ओर से दोनों कक्षाओं की परीक्षा के लिए परीक्षा फार्म भरवाने की प्रक्रिया दिसंबर के अंतिम सप्ताह में शुरू होने की संभावना है।

दरअसल, 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा के ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। लेकिन आङ्गवीं और पांचवी की वार्षिक परीक्षा के परीक्षा फॉर्म अभी तक भरवाने शुरू नहीं किए गए हैं। अगला शिक्षा सत्र 1 अप्रैल से शुरू होने के कारण इस बार 5वीं कक्षा में पढ़ ने वाले विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षाएं भी एक महीना जल्दी आयोजित होगी। पंजीयक महेश कुमार शर्मा ने बताया कि परीक्षा फार्म भरवाने की प्रक्रिया पर विचार मंथन चल रहा है। जल्द ही परीक्षा फॉर्म भरवाने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

पुणे-सांगानेर-पुणे साप्ताहिक सुपरफास्ट विशेष ट्रेन शुरू

कोटा (निसे)। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे प्रशासन द्वारा पुणे-सांगानेर-पुणे के बीच 01405/01406 साप्ताहिक सुपरफास्ट विशेष ट्रेन के 3 फेरे संचालित किए जा रहे हैं। यह विशेष गाड़ी कोटा मंडल के भवानीमंडी, रामगंजमंडी, कोटा एवं सवाई माधोपुर स्टेशनों से होकर चलेगी। वरिष्ङ्ग मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि ट्रेन संख्या 01405 पुणे-सांगानेर विशेष दिनांक 19, 26 दिसंबर तथा 02 जनवरी को प्रत्येक शुक्रवार 09.45 बजे पुणे से प्रस्थान कर भवानीमंडी 01.03/01.05, रामगंजमंडी 01.28/01.30, कोटा 02.45/02.50 एवं सवाई माधोपुर 04.50/05.15 होते हुए शनिवार 06.45 बजे सांगानेर पहुँचेगी।

इसी प्रकार 01406 सांगानेर-पुणे विशेष दिनांक 20, 27 दिसंबर तथा 03 जनवरी को प्रत्येक शनिवार 11.35 बजे सांगानेर से रवाना होकर सवाई माधोपुर 13.40/14.00, कोटा 15.10/15.20, रामगंजमंडी 16.18/16.20 एवं भवानीमंडी 16.43/16.45 रुकते हुए आगे अपने गंतव्य की ओर बढ़ेगी। इस विशेष गाड़ी में 04 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 08 शयनयान श्रेणी तथा 04 सामान्य श्रेणी के डिब्बों सहित कुल 18 कोच सम्मिलित होंगे।

यह गाड़ी मार्ग में पुणे जंक्शन, कल्याण जंक्शन, भिवंडी रोड, वसई रोड़, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, अंकलेश्वर जंक्शन, वडोदरा जंक्शन, रतलाम जंक्शन, भवानीमंडी, रामगंजमंडी, कोटा जंक्शन, सवाई माधोपुर एवं सांगानेर स्टेशनों पर ङ्कहरेगी।

■ **यह गाड़ी कोटा मंडल के भवानीमंडी, रामगंजमंडी, कोटा और सवाई माधोपुर स्टेशनों से होकर गुजरेगी**

नकली पिस्टल के साथ फोटो वायरल करने वाला पकड़ा

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा पुलिस टीम ने सोशल मिडिया पर नकली पिस्टल के साथ फोटो वायरल करने के मामले में कार्यवाही करते हुए युवक को गिरफ्तार किया है, युवक ने दोस्तों पर धाक जमाने व खौफ पैदा करने के लिये फोटो वायरल की थी। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि बोरखेड़ा थाना क्षेत्र के कोरल पार्क एरिया में एक युवक द्वारा सोशल मिडिया पर पिस्टल के साथ फोटो वायरल करने की सूचना मिली थी। शहर एसपी ने बताया कि वायरल फोटो कोरल पार्क कोचिंग एरिया क्षेत्र मे होने से संवेदनशील मामला होने के कारण युवक की तलाश के लिये पुलिस उप अधीक्षक रूद्रप्रकाश के सुपरविजन में बोरखेड़ा थानाधिकारी अनिल कुमार टेलर के नेतृत्व में टीम गङ्गित की गई। शहर एसपी ने बताया कि गङ्गित टीम ने तकनिकी प्रयास व असुचना के आधार पर कार्यवाही करते हुए फोटो वायरल करने वाले युवक की पहचान करते हुए मनिया धौलपुर हाल कोरल पार्क निवासी कमल किशोर (20) को डिटेन कर पूछताछ की।

जासूस की खरीदी भारतीय सिम पाकिस्तान में आईएसआई चला रही

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर से पकड़े गए जासूस प्रकाश ने आईएसआई(इंटर-सर्विससेज इंटेलिजकेंस) एजेंटों के नंबर बाबाजी, वीरजी, बाला वीरजी के नाम से सेव कर रखे थे। इंटेलिजेंस एजेंसियों ने मोबाइल खंगाला तो सेना की कई महत्वपूर्ण फोटो-वीडियो एजेंट को भेजे गए थे। सूत्रों के हवाले से चैट के कुछ अंश भी जुटाए हैं। जासूस प्रकाश ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के लिए 4 सिम खरीदे थे। उन नंबरों पर आईएसआई की महिला एजेंट ओटीपी हासिल कर वॉट्सऐप चलाती थी। फिर उन्हीं भारतीय नंबरों से बॉर्डर एरिया में सेना के जवानों को हनीट्रैप का शिकार बनाती थी। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी प्रकाश ने राजस्थान और गुजरात के कई सैन्य ठिकानों की रेकी कर फोटो-वीडियो भेजे थे। आरोपी प्रकाश सिंह ने तीन आईएसआई एजेंट के नाम बाबाजी, वीरजी और बालावीरजी के नाम से सेव कर रखे थे। इन नंबरों से ही प्रकाश के पास कॉल आते थे। एजेंट के निर्देश मिलते ही प्रकाश तुरंत ही उस टास्क को पूरा करने में जुट जाता था। प्रकाश से सैन्य ठिकानों के फोटो-वीडियो मांगे जाते थे। आरोपी प्रकाश की आईएसआई एजेंट से लंबी वॉट्सऐप चैट पकड़ी गई है। पाकिस्तान के लिए जासूसी कर रहे एजेंट प्रकाश से इंटेलिजेंस एजेंसियों की सामूहिक पूछताछ में चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। प्रकाश चंद पैसों का लालच देकर लोगों से डॉक्यूमेंट लेकर उनके नाम पर मोबाइल सिम खरीद लेता था। उन सिम को एक्टिवेट करवाकर, मोबाइल नंबर पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स को देता था। पाकिस्तानी एजेंट उन नंबरों पर वॉट्सऐप चलाने के लिए ओटीपी जेनरेट करते, जिसे प्रकाश हाथोंहाथ बता देता। ये वॉट्सऐप नंबर आईएसआई की महिला एजेंटों को सौंप दिए जाते थे। आशंका है कि महिला एजेंट इन एक्टिव वॉट्सऐप नंबरों पर इंडियन आर्मी की वर्दी में डीपी लगाकर बॉर्डर एरिया में सेना के जवानों को हनीट्रैप में इस्तेमाल करती थी। जांच टीमों को अभी तक आरोपी प्रकाश सिंह द्वारा एक्टिव कराए गए चार नंबरों की जानकारी मिली है। एक का उपयोग वह खुद कर रहा था, दूसरा नंबर पाकिस्तान में एक्टिव था। वहीं, दो अन्य नंबर दो अलग-अलग देशों में एक्टिव हैं। इन नंबरों पर चल रहे वॉट्सऐप से कितने लोगों को आईएसआई एजेंटों ने अपने जाल में फंसाया उसकी जानकारी जुटाई जा रही है। इसके लिए एजेंसियों ने वॉट्सऐप चलाने वाली कंपनी से तीन मोबाइल नंबरों की हिस्ट्री मांगी है। पाकिस्तानी एजेंट प्रकाश को मनचाहे तरीके से इस्तेमाल कर रहे थे। इसके बदले उसे पैसा भी दिया जाता था। मोबाइल की जब जांच की गई तो पता चला कि राजस्थान के अलवर, बीकानेर के खाजूवाला के अलावा प्रकाश पंजाब और गुजरात के कई आर्मी ठिकानों तक भी पहुंच गया था। वहां आर्मी कैंप, लोकेशन, सेना के मूवमेंट, सेना के प्रोजेक्ट जैसी जानकारियां भेज चुका था। इंटेलिजेंस अफसरों के अनुसार प्रकाश जानता था कि वह पाकिस्तानी एजेंटों को महत्वपूर्ण जानकारी दे रहा है। इससे देश को खतरा हो सकता है। लेकिन इसके बावजूद वह यह सब कर रहा था। उसे नशे की लत होने की जानकारी भी सामने आ रही है। फार्मेसी का स्टूडेंट रहा प्रकाश सिंह उर्फ बादल यह सब चंद पैसों के लालच में कर रहा था। आरोपी का एयरटेल बैंक में अकाउंट मिला है। प्रकाश सिंह के खाते में पिछले कुछ समय में करीब सवा लाख रुपए के लगभग भी पाकिस्तान और दूसरे देश से आया है। आईजी इंटेलिजेंस प्रफुल्ल कुमार ने बताया कि संदिग्ध लोगों पर नजर रखी जाती है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से प्रकाश सिंह छठा पाक एजेंट है, जो पकड़ में आया है। 27 नवंबर को प्रकाश सिंह को श्रीगंगानगर में सेना के कैंट एरिया साधुवाली के आसपास संदिग्ध तौर पर देखा गया था। सूचना मिलने पर बॉर्डर इंटेलिजेंस टीम ने तुरंत कार्रवाई कर उसे हिरासत में लिया। पुष्टि होने पर 1 दिसंबर को स्पेशल पुलिस स्टेशन जयपुर में ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट 1923 के तहत मुकदमा दर्ज कर प्रकाश सिंह को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। उसके मोबाइल फोन पर पाकिस्तान के वॉट्सऐप नंबरों से लगातार संपर्क में रहने की पुष्टि हुई। उन नंबरों पर आरोपी ने कई सेना से जुड़े कई फोटो, वीडियो भी भेज रखे थे। जासूसी करने से पहले प्रकाश सिंह पाकिस्तान से आने वाली ड्रग को देश के अलग-अलग राज्यों में सप्लाई करता था।

■ **महिला एजेंट्स ने बनाए वॉट्सऐप अकाउंट, आर्मी जवानों को हनीट्रैप करने में हो रहा इस्तेमाल**

जरूरतमंद परिवारों को ऊनी सूती वस्त्र वितरित

भरतपुर जिले मे पेंशर्स सेवा समिति ने सूती वस्त्र बांटे

भरतपुर (निस)। भरतपुर जिला अग्रवाल पेंशनर्स सेवा समिति द्वारा सोगरिया मौहल्ला बीनारायन गेट पर वार्ड नरं. 45 में जरूरतमंद परिवारों को ऊनी सूती वस्त्र वितरित किये गये। लगभग 150 परिवारों के बच्चों, महिलाओं एवं पुरूषों को आवश्यकतानुसार वस्त्र उपलब्ध कराये गये। वस्त्र वितरण का कार्यक्रम सतीश कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में एवं दीनदयाल गुप्ता, सुनील बंसल, आर.एस. गुप्ता एवं महेन्द्र भूषण के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। अग्रवाल पेंशनर्स द्वारा बहुत अच्छी तादाद में उपयोगी वस्त्र उपलब्ध कराये गये। इस अवसर पर हेमराज गोयल, सी.एम. गुप्ता, डॉ. अशोक अग्रवाल, लक्ष्मी नारायण गुप्ता मुंशरिम, डॉ. अशोक बंसल, सत्यप्रकाश बंसल, ओमप्रकाश गुप्ता, राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, सुरेश चंद अठावाल, अनिल अग्रवाल, कपूरचंद अठावाल, गबोयल, चन्द्रप्रकाश गुप्ता, लक्ष्मी चंद वेद प्रकाश सिंघल आदि पेंशनर सदस्य उपस्थित रहे।

भरतपुर जिला अग्रवाल पेंशनर्स सेवा समिति ने ऊनी वस्त्र बांटे।

भारत-पाक बॉर्डर से संदिग्ध युवक पकड़ा

महिला से मिलने रावलपिंडी जाने की फिराक में था, सेना ने पकड़ा

बीकानेर। भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से जासूसी की घटनाओं के बीच सेना ने पाकिस्तान जाने की फिराक में एक युवक को पकड़ा है। युवक 9 सालों में दूसरी बार अवैध तरीके से पाकिस्तान जा रहा था, जिसे 17 केवाईडी से पकड़कर जवानों ने पुलिस को सौंप दिया। अब ज्वाइंट इंट्रोगेशन में सेना और सुरक्षा एजेंसियां युवक से पूछताछ करेंगी। हालांकि प्रारंभिक अनुमान है कि युवक पाकिस्तान के रावलपिंडी में किसी महिला से मिलने के लिए बॉर्डर पार करने की कोशिश कर रहा था। खाजूवाला थानाधिकारी सुरेन्द्र प्रजापत ने कहा- शनिवार की शाम एक युवक 17 केवाईडी में पाकिस्तान जाने की बात कर रहा था। वो बॉर्डर का वो रास्ता ढूंढ रहा था, जहां से आसानी से पाकिस्तान में घुस सके। इस बात की भनक आर्मी इंटेलिजेंस को लगी। इसके बाद उसे 17 केवाईडी से ही पकड़ लिया गया। संदिग्ध व्यक्ति की पहचान आंध्र प्रदेश निवासी प्रशांत वेदम के तौर पर पहचान हुई है। आशंका है कि वह दोबारा पाकिस्तान जा रहा था। विशाखापटटनम से बीकानेर स्थित भारत-पाक बॉर्डर पर आने के कारणों का खुलासा ज्वाइंट इंट्रोगेशन में होने की उम्मीद है।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि प्रशांत इससे पहले भी साल 2017 में पाकिस्तान गया था। तब वो करणी पोस्ट के पास से होते हुए 15 अप्रैल को पाकिस्तान में घुस गया था। बताया जा रहा है कि तब उसे पाकिस्तान आर्मी ने गिरफ्तार कर लिया था। बाद में साल 2021 में उसे वापस भारत के हवाले किया गया। वो अटारी बॉर्डर से होते हुए भारत में आया था। हालांकि प्रशांत की बातों पर आर्मी को संदेह है। आर्मी के अनुसार- एक बार पाकिस्तान जाने के बाद दोबारा क्यों जाना चाहता है। उसकी गतिविधियों को संदिग्ध मानते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है। हालांकि पुलिस का कहना है कि पाकिस्तान के रावलपिंडी में किसी महिला मित्र से युवक के कॉन्टैक्ट होने की आशंका है, जिससे मिलने की फिराक में युवक बॉर्डर पार करना चाह रहा था। हालांकि यह सिर्फ प्रारंभिक जानकारी है, जेआईसी के बाद ही सही जानकारी सामने आ पाएगी। एक्सपर्ट के अनुसार युद्ध के समय हर छोटी से छोटी जानकारी दुश्मन देश के लिए महत्वपूर्ण होती है। जासूस सीमावर्ती क्षेत्रों में हर तरह की जानकारी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के एजेंटों को शेयर करते हैं। सबसे महत्वपूर्ण जानकारी सेना की मूवमेंट से लेकर उनके ठिकानों की साझा करते हैं। साथ ही सैन्य स्ट्रक्चर, तैनाती, फेंसिंग, बीओपी आदि की लोकेशन, फोटो और डिटेल साझा करते हैं। अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगते क्षेत्रों में बिल्डिंग का कंस्ट्रक्शन हो या सैन्य संबंधी कोई कंस्ट्रक्शन, साथ ही अंडरब्रिज,ओवरब्रिज, सड़क आदि के निर्माण की डिटेल भी जासूस पाकिस्तान में शेयर करते हैं। जासूसों से आर्मी एरिया में स्थापित स्कूल, हॉस्टल और अन्य एडमिन बिल्डिंग की फोटो व लोकेशन की डिमांड की जाती है। सीमावर्ती क्षेत्र में मोबाइल टावर की लोकेशन उसकी फोटो आदि भी यह जासूस पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के एजेंटों को साझा करते हैं।